जिप्सी लड़की के नये जूते

जिप्सी लड़की के नये जूते

एक समय की बात है. एक जिप्सी लड़की थी जिसका नाम था मैग्गी. अपने जिप्सी माता-पिता के साथ वह दुनिया के कई नगरों में घूमी थी. और एक दिन वह सब एक बड़े, विशाल नगर आ पहुँचे.
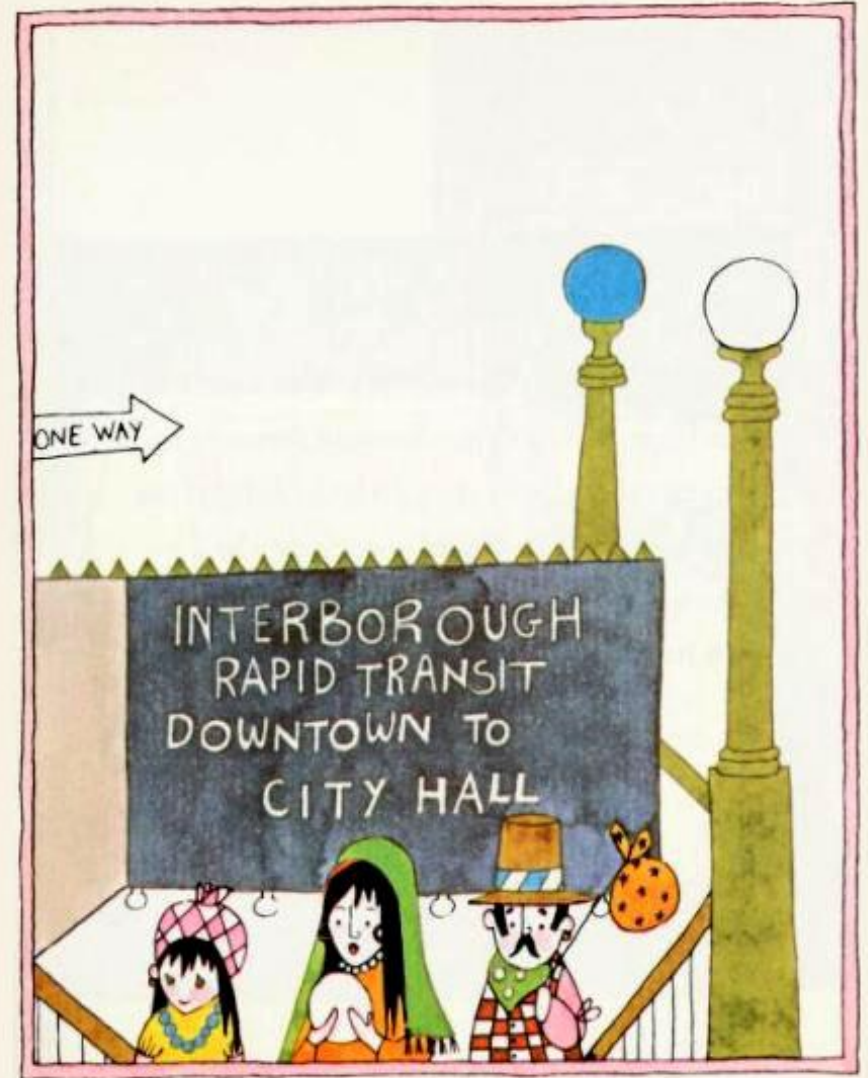
वह एक खाली स्टोर में रहने लगे. स्टोर के अग्रभाग में चटकीला नीला रंग किया हुआ था. वह सब स्टोर के पिछले भाग में पर्दों के पीछे रहते थे. मैग्गी की माँ क्रिस्टल बॉल देख कर लोगों का भविष्य बताती थी. शाम के समय वह उन जगहों के विषय में गीत गाते थे जो उन्होंने देख रखी थीं. वह एक सुखी परिवार था.

वह स्टोर कभी जूतों का स्टोर हुआ करता था. एक दिन स्टोर की एक अलमारी के एक शेल्फ में मैग्गी के पिता को जूतों का एक डिब्बा मिला. उस डिब्बे के अंदर लाल रंग के सुंदर चमड़े के जूते थे जो स्टोर वाले वहां भूल से छोड़ गये थे. इतने सुंदर जूते मैग्गी ने आज तक न देखे थे और वह बिलकुल उसके नाप के थे! हर छोटी जिप्सी लड़की नाचने के लिये ऐसे ही सुंदर चमड़े के जूतों पाना चाहती थी.

अपने जूते दिखाने के लिये वह भाग कर माँ के पास आई. उस समय माँ के साथ, सुंदर हैट पहने, एक औरत बैठी थी. “ओह, यह तो बहुत प्यारे हैं!” माँ ने कहा. “तुम कितनी भाग्यशाली हो कि जूते तुम्हारे पाँव के नाप के हैं.”

“क्या इन जूतों में आपको मैं नृत्य करके दिखाऊँ?” मैग्गी ने पूछा.

“बाद में, मेरी बच्ची,” माँ ने धीमे से कहा. “यह महिला चाहती हैं कि मैं इन्हें इनका भविष्य बताऊँ. अभी तुम बाहर जाकर खेलो.”

तो जिप्सी लड़की मैग्गी बाहर
रास्ते पर चलती आई,

अपने नए लाल रंग के सुंदर
चमड़े के जूते पहने हुए.

आगे सड़क के मोड़ के निकट स्थित फायरहाउस के सामने वह रुकी और आग बुझाने वालों से उसने पूछा, “क्या मैं अपने नए लाल जूतों में आपको एक सुंदर नृत्य करके दिखाऊँ?”

लेकिन उस समय खतरे की घंटी बज रही थी और सारे आग बुझाने वाले दौड़ कर फायर-इंजन पर सवार हो रहे थे. “अभी नहीं, जिप्सी लड़की,” एक आग बुझाने वाले ने कहा. “आग बुझाने के लिये हमें तुरंत जाना है. फिर आना और हमें अपना नृत्य दिखाना.”

लाल रंग का विशाल फायर-इंजन बड़ी तेज़ी से वहां से चला गया, उसकी घंटी टनटन बज रही थी और सायरन भी ज़ोर से बज रहा था.
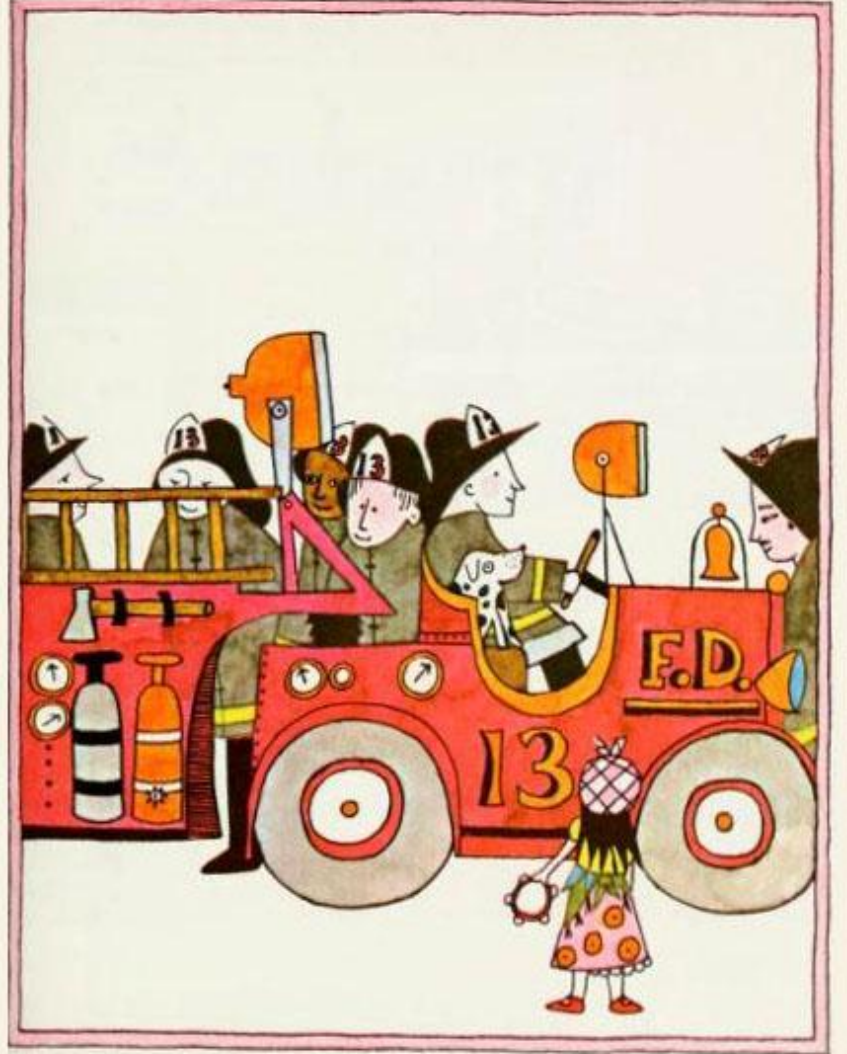
मैग्गी रास्ते पर आगे चलती गयी. वह एक बेकरी की दूकान पर आयी. भीतर जाकर उसने काउंटर पर खड़ी महिला से पूछा, "क्या मैं अपने नए लाल जूतों में आपको एक नृत्य करके दिखाऊँ?"

"ओह, अभी नहीं," महिला ने कहा. "हम विवाह और जन्मदिन के केक बनाने में इतने व्यस्त हैं कि अभी तुम्हारा नृत्य नहीं देख सकते. लेकिन चाहो तो तुम एक कुकी ले सकती हो."

मैग्गी ने उन्हें धन्यवाद कहा और एक चॉकलेट कुकी पसंद कर ली.
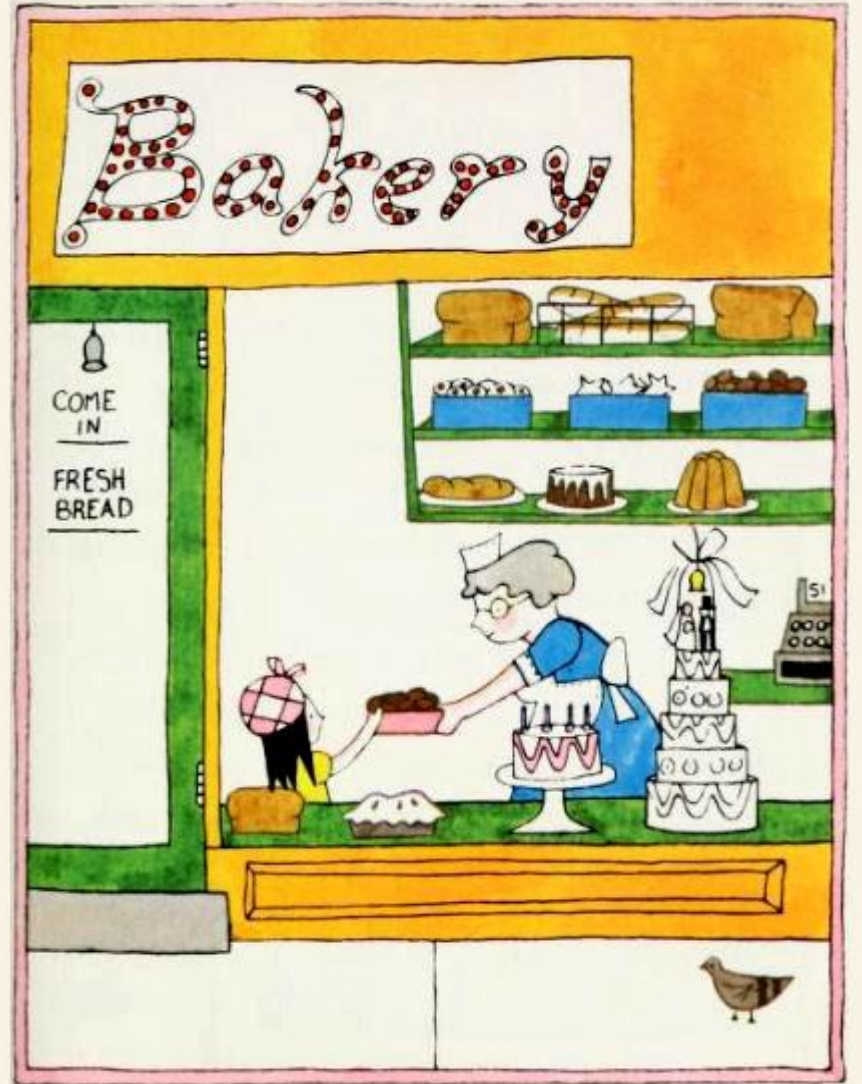
सड़क के मोड़ तक पहुँचते-पहुँचते उसने कुकी खा ली. जब वह मोड़ पर पहुंची तब उसने कुछ लोगों को सड़क के बीच में बने मैनहोल के अंदर जाते देखा. “हेल्लो,” उसने उन लोगों से कहा. “क्या मेरे इन नए जूतों में मुझे नृत्य करते आप सब देखना चाहेंगे?”

“हमें खेद है, जिप्सी लड़की,” उन में से एक ने कहा. “लेकिन हमें इस मैनहोल के नीचे कुछ तारों को ठीक करना है. तुम्हारा नृत्य देखने के लिये हमारे पास बिलकुल समय नहीं है.” और वह सब उस मैनहोल से नीचे चले गये और गायब हो गये.
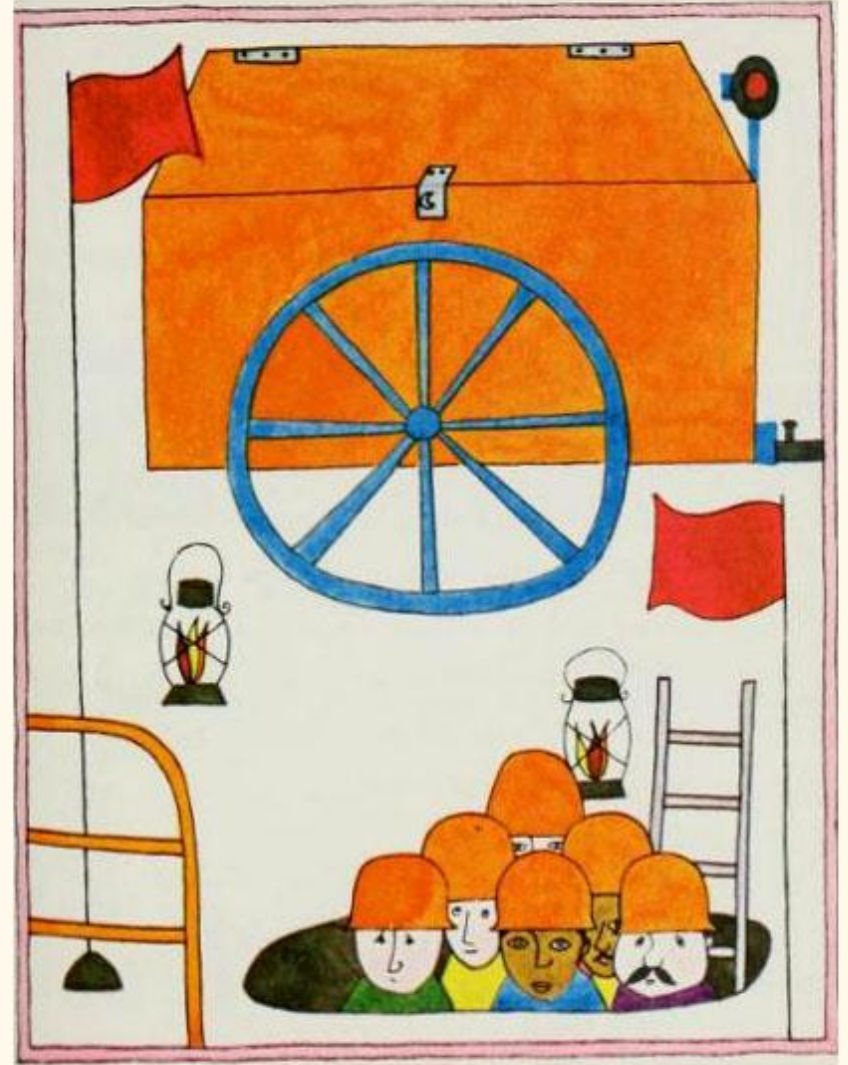
मैग्गी ने इधर-उधर देखा. वहां एक पालतू जीवों की दूकान थी. वो दूकान कुत्ते और बिल्लियों से, पक्षियों और मछलियों से भरी हुई थी. उसने सोचा कि वह उस दूकान के अंदर जा कर नृत्य करेगी, लेकिन भीतर कुत्ते भौंक रहे थे, पक्षी चहचहा रहे थे, और एक बड़े पिंजरे के अंदर बंद बड़ा, हरा तोता लगातार चीख रहा था. सिर्फ पानी के बुदबुदाते टैंक में तेज़ी से तैरती मछलियाँ ही शांत थीं.

“इस भयंकर शोर में कोई भी मेरी डफली की झंकार न सुन पायेगा,” मैग्गी ने अपने-आप से कहा. और वह पालतू जीवों की दूकान के आगे चली गयी.
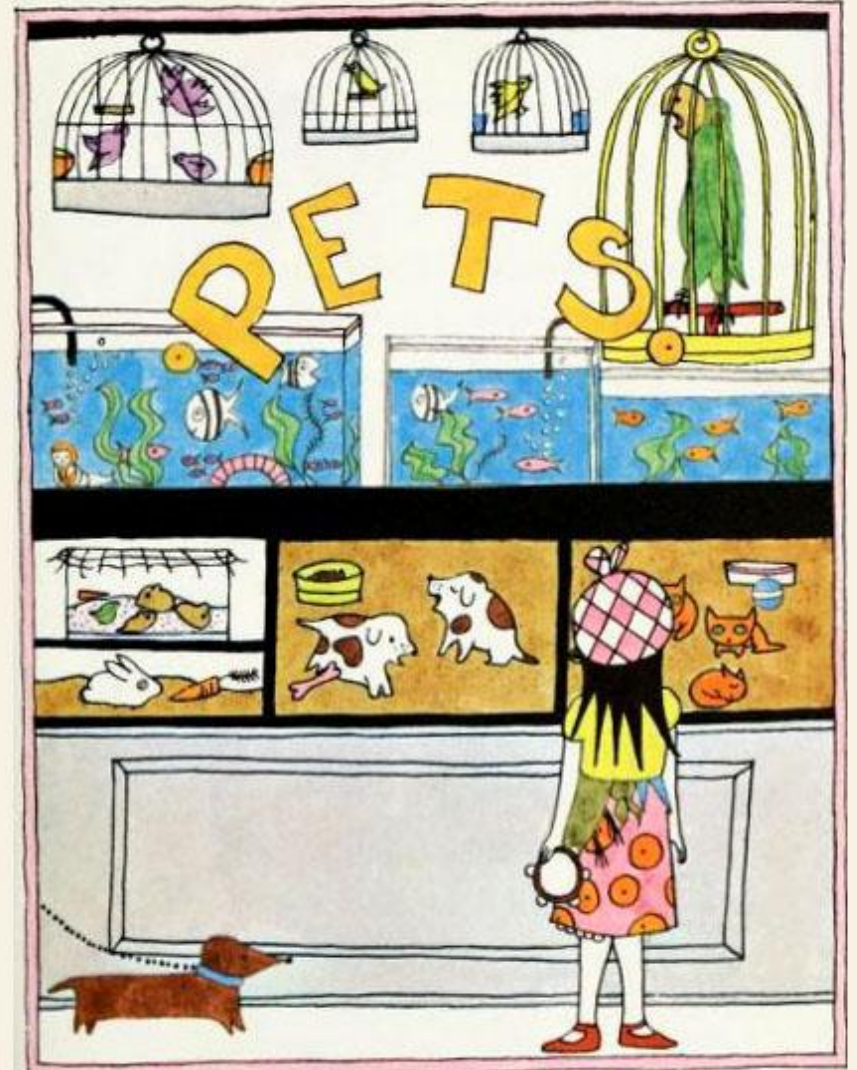
अब मैग्गी थोड़ी उदास हो गयी थी, इसलिये वह एक फूलों की दूकान में गई ताकि वह फूलों की अच्छी खुशबू सूँघ सके. "क्या मैं अपने नए लाल जूतों में आपको एक नृत्य करके दिखाऊँ?" उसने दूकान में खड़ी महिला से धीमी आवाज़ में पूछा.

"अरे, तुम्हारे जूते तो बहुत ही सुंदर हैं," महिला ने कहा. "लेकिन आज रात मिसेज़ फील्डिंग-जोन्स एक दावत दे रही हैं और मुझे उनके घर में इन फूलों से सजावट करनी है. सच में तुम्हारा नृत्य देखने के लिये मेरे पास ज़रा सा भी समय नहीं है." फिर वह मुस्कराईं, "तुम्हारे लाल जूतों से मिलता-जुलता, यह लाल गुलाब तुम्हारे लिये."

"धन्यवाद," मैग्गी ने फूल लेते हुए कहा और फिर से बाहर रास्ते पर आ गई.

वह एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक गई,
एक ऐसे व्यक्ति की तलाश करती हुई

जो उसका नृत्य देखने को तैयार हो,
लेकिन सब व्यस्त थे.

आखिरकार वह रास्ते के अंतिम छोर तक पहुँच गई. वहां एक पार्क था, हरा-भरा और सुहावना. वहां कबूतर गुटरगूँ कर रहे थे, गिलहरियाँ चीं-चीं कर रही थीं, और मंद हवा में पेड़ों के पत्ते फड़फड़ा रहे थे. मैग्गी आजतक अपने घर से इतनी दूर कभी न आई थी और यह पार्क उसने कभी न देखा था. उसने पार्क के अंदर जाने का सोचा.
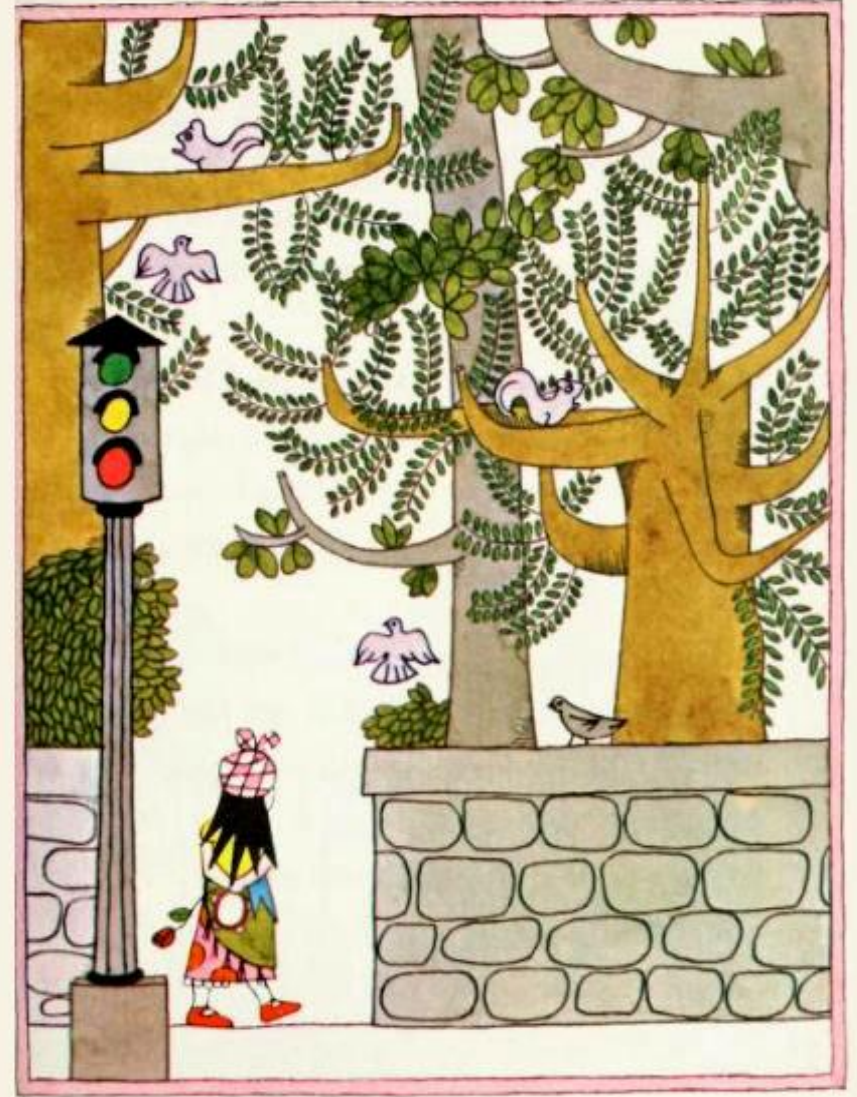
पार्क के अंदर धूप में घास पर लेटे कुछ लोग सो रहे थे. बूढ़ी औरतें कबूतरों के दाना खिला रही थीं. और एक बेंच पर एक कतार में बैठी बच्चों की आया बुनाई कर रही थीं.

“क्षमा करें,” मैग्गी बोली. “मैंने नये सुंदर लाल जूते पहने हैं और मेरे पास एक लाल गुलाब और एक डफली है. मैं आपके लिये एक नृत्य करना चाहती हूँ. मुझे विश्वास है कि आपको मेरा नृत्य अच्छा लगेगा.”

“ओह, हे भगवान, नहीं!” एक आया चिल्ला कर बोली. “तुम्हारे नृत्य की आवाज़ और डफली की झंकार, बच्चों को अवश्य जगा देगी. फिर वह रोना शुरू कर देंगे.”

“भागो यहाँ से, छोटी लड़की,” दूसरी ने कहा. “हमें यहाँ पर कोई शोर-शराबा नहीं चाहिये!”

मैग्गी चुपचाप वहां से चली गई. उसे एक खाली बेंच दिखाई दिया, जो उन सब लोगों से बहुत दूर था. वह उस पर बैठ गई. अपने नये जूतों में उसने अपने पाँव के अंगूठे हिलाए-डुलाये. धूप ने जूतों पर चमकदार सितारे से बना दिए, वह उन्हें देखने लगी. फिर धीमे से उसने अपनी डफली बजायी. एक छोटी गिलहरी जो एक अखरोट लिये जा रही थी, रुक कर मैग्गी को देखने लगी.

मैग्गी ने चोरी से गिलहरी को देखा और उसका चेहरा खिल उठा. “शायद, छोटी गिलहरी,” उसने कहा, “तुम मेरा नृत्य देखना चाहोगी.” वह फुदक कर बेंच से उठ गई. और फिर उसने अपनी डफली उठाई, अपने नये चमकते हुए जूतों से ज़मीन को थपथपाया, अपने लाल गुलाब की घुमाया और नृत्य करने लगी. सिर्फ एक छोटी गिलहरी ही उसका नृत्य देख रही थी.
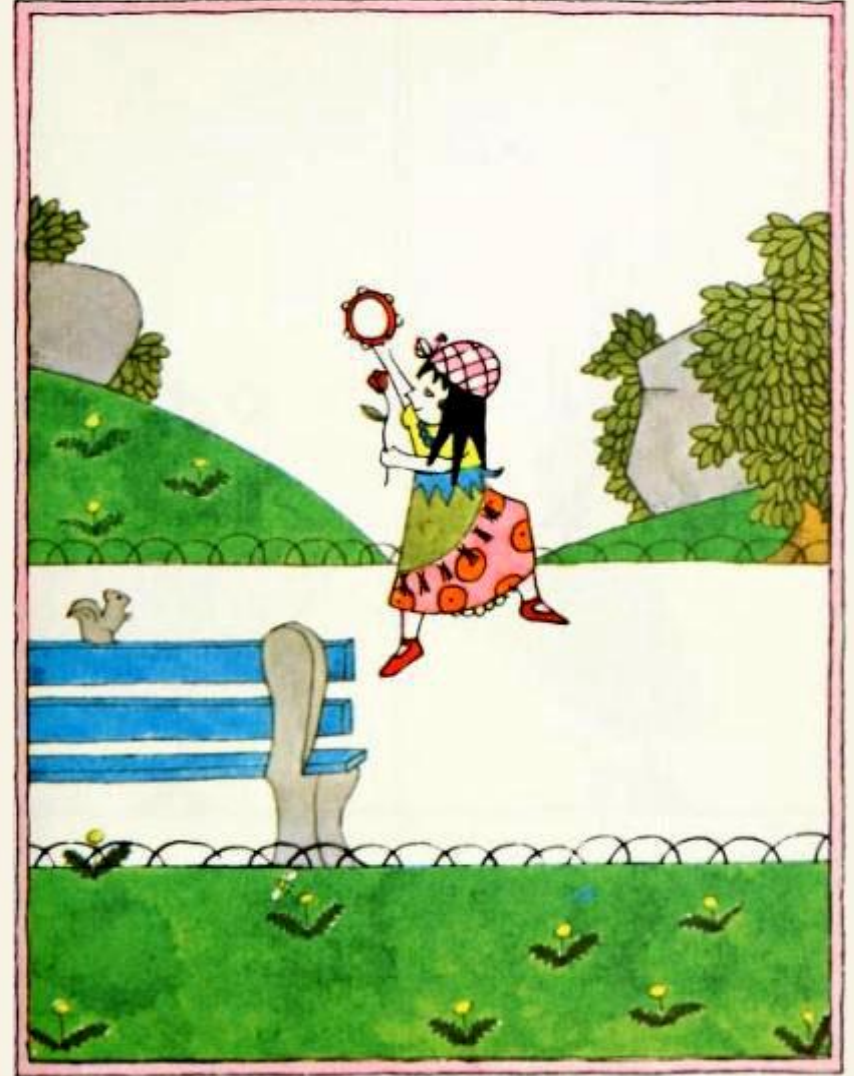
और वह नृत्य
करती रही.....
नृत्य करती रही.....
नृत्य करती रही.....
नृत्य करती रही.....

आखिरकार, डफली से उसने ज़ोर की एक झंकार की और एक अंतिम बार घूम कर वह रुक गयी.

लेकिन यह क्या सुनाई दिया उसे? तालियाँ और किसी के हंसने की आवाज़, और फिर किसी ने कहा, “कितना सुंदर नृत्य था! धन्यवाद! धन्यवाद!”

मैग्गी ने घूमकर देखा. वहां एक महिला थी जो प्रसन्नता से मुस्करा रही थी. दस छोटे बच्चे उसके पीछे खड़े थे.

“कितना सुंदर नृत्य था!” उस महिला ने फिर से कहा.

“और कितना आश्चर्यजनक!” एक छोटी लड़की ने कहा.

“और कितना तेज़!” एक लड़के ने कहा.

“काश, मैं भी ऐसा नृत्य कर पाता.” एक अन्य बच्चे ने कहा.

“प्लीज़, प्लीज़, छोटी लड़की, हमारे लिये फिर से नृत्य करो!” उन सब ने एक साथ कहा.

तो जिप्सी लड़की मैग्गी ने फिर से नृत्य किया, उसके नए लाल रंग के सुंदर जूते धूप में चमक रहे थे.
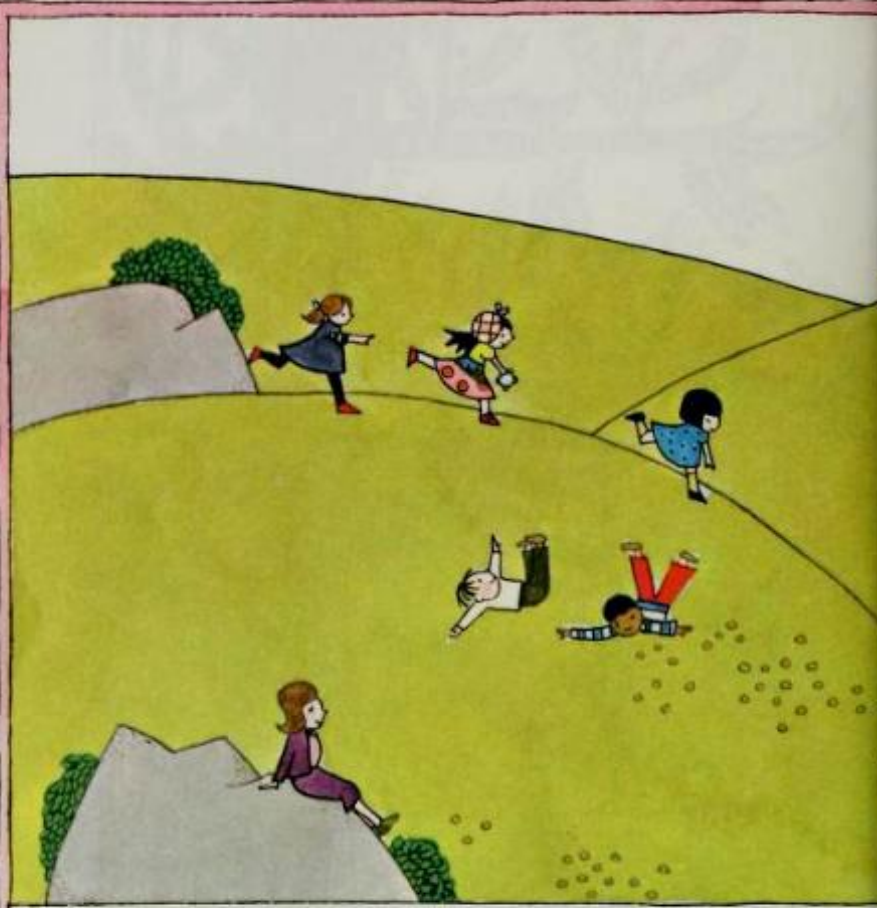
फिर वह सब बच्चे घास में फुदकने और
लुढ़कने लगे, ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगे,
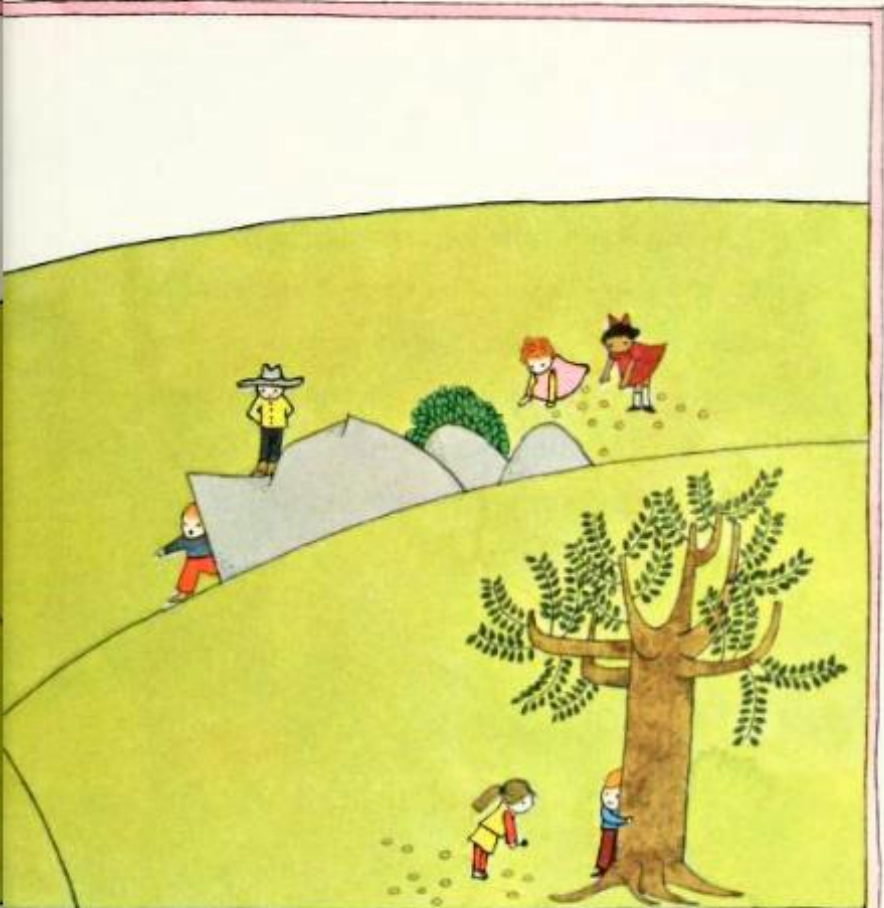
गोल-गोल भागने लगे......
और सब मिलकर सिंहपर्णी के फूल तोड़ने लगे.

आखिरकार सब के लौटने का समय हो गया. लेकिन मैग्गी के जाने से पहले उस महिला ने उसका नाम और उसके घर का पता पूछा. “मैं तुम्हारी माँ से बात करूंगी,” उसने कहा. “अगर तुम हमारे स्कूल आ पाओ तो हम तुम्हारा नृत्य अकसर देख पायेंगे.”

मैग्गी ने हाथ हिला कर अपने नए मित्रों को अलविदा कहा और भाग कर पार्क से बाहर आ गयी......
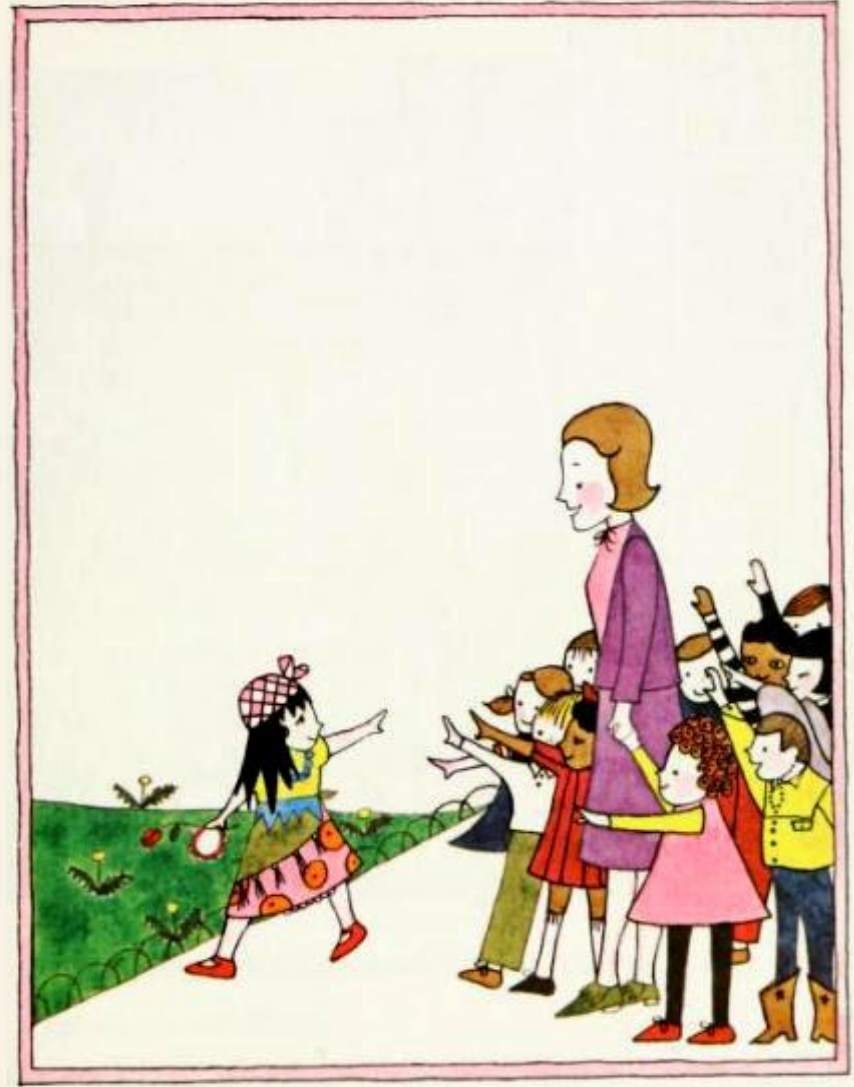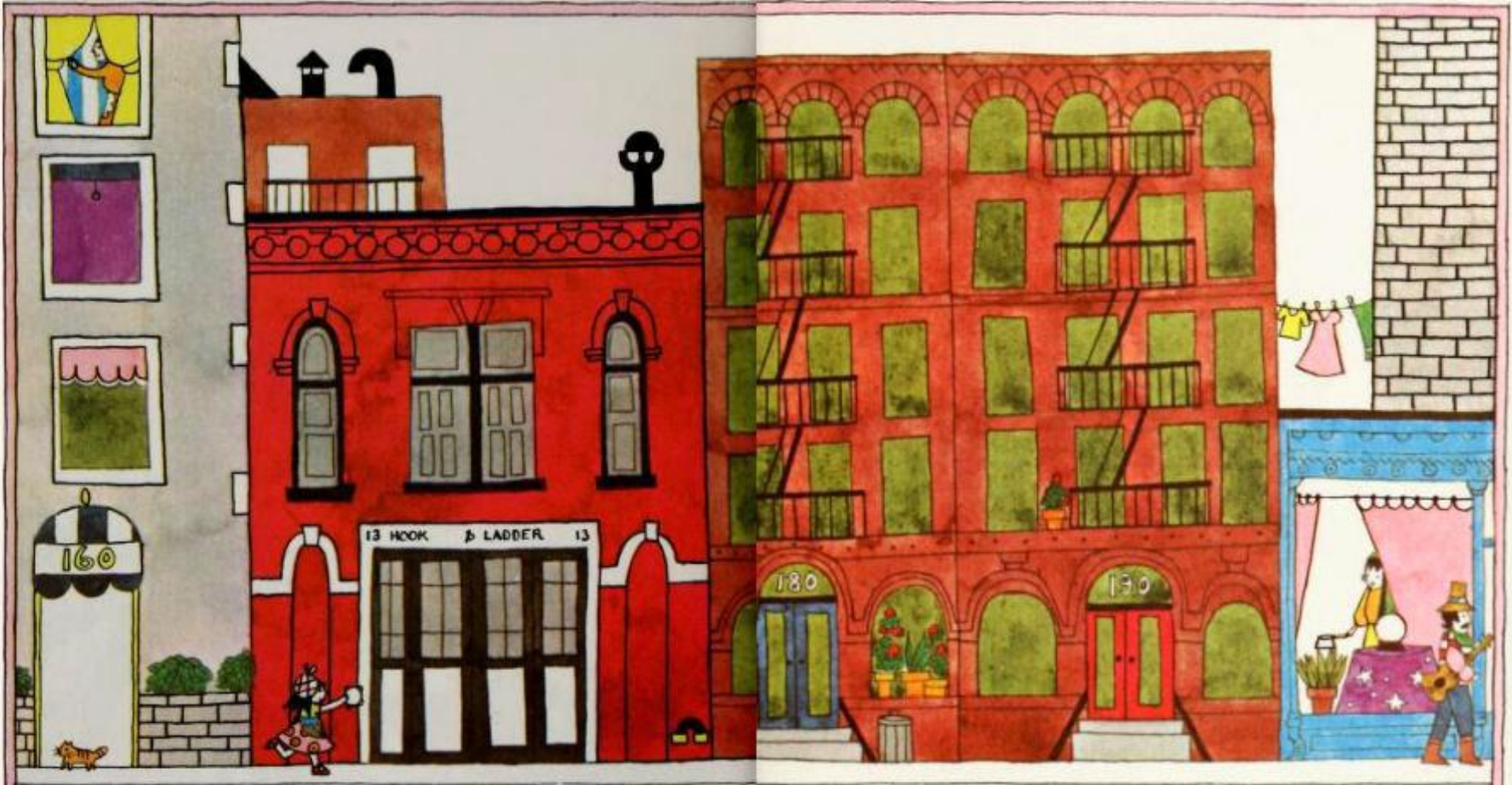
और स्टोर में अपने घर पहुँचने तक सारे रास्ते

वह अपने नए चमकीले लाल रंग के
जूतों में फुदकती रही और नाचती रही.

समाप्त